Global Alliance for Disaster Risk Reduction & Resilience in the Education Sector

सारांशः संक्षिप्त कार्रवाई में रिसर्च

Rebekah Yore,[1] Ilan Kelman[2] and Matalena Tofa[3]

रेबेक योर[1], इलन केलमन एवं मैटेलेना तोफा

[1]युनिवर्सिटी कॉलेज लंदन तथा रेस्क्यू ग्लोबल, लंदन, यू.के.

[2]यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन तथा यूनिवर्सिटी ऑफ एग्डर, लंदन, यूके

3मैक्वायर यूनिवर्सिटी, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया

गविविधियों में शोध पर संक्षिप्त श्रृंखला

यह श्रृंखला बाल केन्द्रित जोखिमों में कमी (सी.सी.आर.आर.), जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (सी.सी.ए.), और स्कूल सुरक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले अभ्यासकर्ताओं के लिए कई विषयों पर अकादमिक और ग्रे–साहित्य का सारांश प्रदान करती है। यह सारांश समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन (सी.बी.डी.आर.एम.) में पूर्ण शोधकार्यों के मुख्य संदेशों पर प्रकाश डालता है।

पूरी रिसर्च इनटू संक्षिप्त अभ्यास यहां से प्राप्त करें:

http://www.gadrrres.net/resources
www.gadrrres.net/resources

C&A Foundation

Save the Children

RISK FRONTIERS

C&A

समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन (CBDRM)

आपदा प्रबंधन अक्सर बाहरी विशेषज्ञों तथा महंगे अथवा पहुंच से बाहर के निर्भर करता है। समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन (CBDRM) जोखिमों का विश्लेषण करने तथा डी.आर.एम. का संचालन जो स्थानीय समुदायों से आरंभ होता है तथा उन्हीं के द्वारा संचालित होता है। समुदाय स्तर पर डी.आर.एम. के प्रति अभिरुची एवं प्रेरणा बनाये रखना, तथा राष्ट्रीय नीतियों में (CBDRM) की दृष्टीकोण को शामिल करना, (CBDRM) की सफलता की कूंजी है।

सी.बी.डी.आर.एम. के अंतर्गत खतरा, नाजुकता एवं क्षमता आकलन (एच.वी.सी.ए.) एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। एच.वी.सी.ए. के तहत हम निम्न बातों का पता लगाते हैं:

- नाजुक समूहों की पहचान करना,
- समूहों को क्या कमजोर बनाते हैं और यह कैसे प्रभावित करता है,
- इन समूहों की आवश्यकताओं और क्षमताओं का आकलन, और
- यह सुनिश्चित करें के परियोजनायें, कार्यक्रम और नोतियां इन आवश्यकताओं को पूरा करती हैं।

आपदा तथा आपदा जोखिमों के दौरान बच्चे विशिष्ट जोखिमों एवं क्षमताओं दोनों परिस्थितियों को ग्रहण कर लेते हैं। कई अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के अनुसार बच्चों में विभिन्न प्रकार की शक्ति, क्षमताएं तथा अधिकार हैं फिर भी अक्सर उन्हें निष्क्रिय पीड़ित के रुप में देखा जाता है। सी.बी.डी.आर.एम. तथा एच.वी.सी.ए. के प्रभाव को सुनिश्चित करने के लिए इसके तरीके पर विचार करना महत्वपूर्ण है (क) बच्चों एवं युवाओं को सम्मिलित करना, तथा (ख) विशिष्ट संदर्भों में उपकरणों एवं फ्रेमवर्क को अपनाना।

बच्चों एवं युवाओं को शामिल करना

सी.बी.डी.आर.एम. एवं एच.वी.सी.ए. में बच्चे एवं युवाओं की भागोदारी बढ़ रही है। इसके कई फायदे हो सकते हैं, यह न केवल आपदाओं से निपटने में बच्चों एवं युवाओं को शामिल करता है बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकुल बनने सहित यह पुरे समुदाय की समुत्थानिकता को भी बढ़ाता है। एच.वी.सी.ए. तकनीकों के तहत प्रशिक्षण एवं भागीदारी बच्चों में जानकारी एवं कौशल का विकास करता है, जिससे वे अपने समुदायों में खतरों, जोखिमों, नाजुकताओं तथा क्षमताओं का आकलन एवं निगरानी कर सकें (प्लान इंटरनेशनल 2010). एच.वी.सी.ए. में सहभागिता के माध्यम से बच्चे एवं युवा कार्रवाई एवं एडवोकेसी में भी योगदान कर सकते हैं। युवाओं को उनके स्वयं के जीवन में बदलाव लाने में मदद करना उन परियोजनाओं के साथ संयुक्तरुप से अधिक कारगर हो जाता है जो गरीबी को नाजुकता का एक प्रमुख कारक के रुप में पहचान करते हैं तथा इसे कम करने में सक्रिय रुप से सहायक हो सकते हैं।

उपकरणों एवं फ्रेमवर्क को अपनाना

कोई भी उपकरण या फ्रेमवर्क बच्चों के सर्वाधिक हित में हो इसके लिए जरुरी है कि उसे बच्चों की परिस्थितियों में उसकी जांच हो तथा देखा जाए कि यह बच्चों के अधिकारों पर क्या प्रभाव डालता है। बच्चों एवं युवाओं पर केन्द्रित कुछ औपचारिक एच.वी.सी.ए. के दिशानिर्देश हैं, तथा ये अलग–अलग गुणत्ता के हैं। उपयोगी टूलकिट को अपनाया जा सकता है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- बाल केन्द्रित डी.आर.आर. पर प्लान इंटरनेशनल (2010) का टूलकिट: http://www.childreninachangingclimate.org/uploads/6/3/1/1/63116409/child-centred_drr_toolkit.pdf
- सेव द चिल्ड्रन (2007) का बाल नेतृत्व डी.आर.आर. से संबंधित निर्देश: https://www.preventionweb.net/files/3820_CHLDRR.pdf
- बालोन्मुख सहभागी जोखिम आकलन एवं योजना (सी.ओ.पी.आर.ए.पी.) टूल (BALAY रिहैबिलीटेशन सेंटर 2006, लूनेटा 2007) बाल कन्द्रित टूल का एक उदाहरण है जो वर्तमान में उपयोग किया जा रहा है: https://www.gdnonline.org/resources/ADPC_CDP_COPRAP_toolkit.pdf

स्थानीय समुदाय व संगठनों की जरुरतों के अनुकूल फ्रेमवर्क और टूलकिट को अपनाने की आवश्यकता है तथा वह स्थानीय खतरों का सामना करने के लिए उपयुक्त होना चाहिए। एच.वी.सी.ए. तथा सी.बी.डी.आर.एम. में बच्चों, युवाओं एवं अन्य हाशिए के समूहों की सक्रिय भागीदारी के लिए अभ्यासकर्ता टूल्स में आवश्यक बदलाव कर सकते हैं।

व्यवहारिक प्रयोग

सी.बी.डी.आर.एम. में अपनाये जाने वाले महत्वपूर्ण सीख:

- यदि समुदाय के सदस्यों विशेषकर उन समुदायों में जो निरंतर आपदा को नहीं झेलते हैं में जानकारी व कुशलताओं की समिक्षा एवं अभ्यास नहीं किया जाता है तो वयस्कों एवं बच्चें के बीच सी.बी.डी.आर.एम. कार्यक्रमों के प्रभाव समाप्त हो सकते हैं (सी.आर.एस. 2009, चावला एवं जॉनसन 2004)
- आदत को बनाये रखने के लिए, आपातकालीन अभ्यास आयोजित कर सी.बी.डी.आर.एम. को लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। समुदाय आधारित दल सामुदायिक कार्यक्रमों में नियमित रुप से जागरुकता बढ़ा सकती हैं तथा सी.बी.डी.आर.एम. को जारी रख सकती हैं। (ओग्वा एट अल 2005, रंघेइरी एवं ईशिवात्रि 2014)
- समुदाय के सदस्यों एवं स्थानीय अधिकारियों को साथ लाना सी.बी.डी.आर.एम. को समर्थन करता है (ट्वीग 2007, यूनिसेफ 2012) तथा परियोजनाओं की अवधी को बढ़ाता है। लोकप्रिय मिडिया जैसे रेडियो तथा इंस्टाग्राम का उपयोग भी समान प्रभाव पड़ता है।

जब एच.वी.सी.ए. तथा सी.बी.डी.आर.एम. परियोजनाओं की योजना बनता है तब अभ्यासकर्ताओं को निम्नलिखित कारकों पर विचार करना चाहिए:

अधिक जानकारी

इस रिसर्च इनटू प्रैक्टिस ब्रिफ में सभी संदर्भ और कई अन्य बाल केन्द्रित जोखिम न्यूनीकरण व विद्यालय सुरक्षा के संदर्भ में ग्रंथसूची प्राप्त कर सकते हैं:

https://www.zotero.org/groups/1857446/ccdrr__css

इस विषय पर सभी संदर्भों को प्राप्त करने के लिए "सी.बी.डी.आर.एम." एवं "एच.वी.सी.ए." टैग का उपयाग किया जाता है।

Readings

All India Disaster Mitigation Institute (2011), School-based Disaster Risk Reduction: Making Education Safer (analysis and case studies), Ahmedabad, All India Disaster Mitigation Institute, http://bit.ly/2uhMX0z.

Back, E., Cameron, C. and Tanner, T. (2009), Children and Disaster Risk Reduction: Taking stock and moving forward (analysis and case studies), New York, UNICEF, http://www.preventionweb.net/files/12085_ChildLedDRRTakingStock1.pdf.

Gill, S., Gulsvig, L. and Peek, L. (2009), Children and Disasters Annotated Resource List, *Children, Youth and Environments*,vol. 18, no. 1, pp. 485-510, http://www.jstor.org/stable/10.7721/chilyoutenvi.18.1.0485.

Shaw, R. (ed.) (2012), Community-Based Disaster Risk Reduction, *Community, Environment and Disaster Risk Management*, vol. 10, Emerald Group Publishing, Bingley.

Wisner, B. (2006), Let our children teach us! A review of the role of education and knowledge in disaster risk reduction, Geneva, UNISDR, http://www.crin.org/en/docs/ISDR_let_teach.pdf.

- सी.बी.डी.आर.एम. के तहत जनाकारियों एवं कुशलओं को बनाये रखने के लिए इसे लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है।
- समुदाय के सदस्यों एवं स्थानीय प्राधिकारों को एच.वी.सी.ए. तथा सी. बी.डी.आर.एम. के लिए प्रेरित और सक्रिय रुप से संलग्न रहने की आवश्यकता है।
- आकलनों (जैसे एच.वी.सी.ए.), सी.बी.डी.आर.एम. गतिविधि एवं सी.बी. डी.आर.एम. एडवोकेसी में बच्चों एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी होना चाहिए।

बच्चों, युवाओं एवं सिमांत समूहों की सक्रिय भागीदारी का समर्थन करने के लिए एच.वी.सी.ए. एवं सी.बी.डी.आर.एम. के टूल्स एवं फ्रेमवर्क को अपनाना चाहिए।